NAAC ACCREDITED A++ GRADE 3.55/4

BAOU Education for All

Dr. Babasaheb Ambedkar Open University
(Established by Government of Gujarat)

Accorded with CATEGORY UNIVERSITY 1 GRADED AUTONOMY by UGC

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

तथा

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड, गुजरात सरकार

द्वारा अखिल भारतीय संस्कृत समारोह योजना अंतर्गत आयोजित

द्वि-दिवसीय अखिल भारतीय आचार्य भरतमुनि संस्कृत समारोह

दिनांक : २८ फ़रवरी, ०१ मार्च २०२६

स्थान:
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी,
ज्योतिर्मय' परिसर, सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग, छारोड़ी, अहमदाबाद, गुजरात - 38248

प्रस्तावना

भारतीय सांस्कृतिक परम्परा में नाट्य, संगीत, नृत्य एवं सौन्दर्यशास्त्र का अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है। इस परम्परा को शास्त्रीय आधार प्रदान करने वाले महर्षि भरतमुनि भारतीय कला-दर्शन के अद्वितीय आचार्य माने जाते हैं। उनका विश्वविख्यात ग्रन्थ 'नाट्यशास्त्र' न केवल नाट्यकला का, अपितु मानव-भाव, रस, अभिनय, संगीत, वाद्य, नृत्य एवं रंगमंचीय संरचना का समग्र शास्त्र है। नाट्यशास्त्र भारतीय जीवन-दृष्टि, सौन्दर्यबोध और सांस्कृतिक चेतना का प्रतिनिधि ग्रन्थ है, जिसमें लोक और शास्त्र, भावना और अनुशासन, कला और दर्शन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। आधुनिक युग में भी रंगमंच, सिनेमा, टेलीविजन, नृत्य-प्रशिक्षण एवं कला-शिक्षा के क्षेत्र में नाट्यशास्त्र की प्रासंगिकता निरन्तर बढ़ती जा रही है। इसी गौरवशाली परम्परा के गहन अध्ययन, विमर्श और समकालीन सन्दर्भों में उसके पुनर्मूल्यांकन के उद्देश्य से "अखिल भारतीय आचार्य भरतमुनि संस्कृत समारोह" का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह संस्कृत विद्वानों, शोधकर्ताओं, कलाकारों, रंगकर्मियों तथा विद्यार्थियों के लिए एक साझा अकादमिक एवं सांस्कृतिक मंच प्रदान करेगा।

BAOU का परिचय

भारतीय संविधान निर्माता भारतरत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी की पुण्य स्मृति में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और डिस्टेंस एजुकेशन काउन्सिल की मान्यता के साथ गुजरात सरकार ने सन् 1994 ई. में एक्ट सं. 14 के तहत अहमदाबाद में गुजरात के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी की स्थापना की. स्थापना के क्रम में यह देश का सातवाँ मुक्त विश्वविद्यालय है. गुजरात राज्य की शैक्षिक गतिविधियों को तीव्रता प्रदान करते हुए यूनिवर्सिटी आज मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) माध्यम से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के 79, यू.जी.सी. मानदंडों के तहत पीएच.डी. स्तर के 16, ऑनलाइन माध्यम से 10 और स्वयं (SWAYAM) माध्यम से 07 पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश आमंत्रित कर रही है, जिनमें वर्तमान में 8,00,000 से ज़्यादा शिक्षार्थी पंजीकृत हैं. माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अमी उपाध्याय के दूरदृष्टियुक्त नेतृत्व में यूनिवर्सिटी में एक सहयोगात्मक नवीकृत अकादमिक पारिस्थितिक तंत्र विकसित हुआ है. यूनिवर्सिटी ने NAAC A++ प्रत्यायन, यू.जी.सी. श्रेणी-I और 12(B) स्थिति, NIRF 2024 में तीसरा दर्जा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए FICCI पुरस्कार अर्जित किया है. यूनिवर्सिटी रूस, मोज़ाम्बिक और मंगोलिया के शैक्षिक संस्थानों के साथ मिलकर काम करते हुए अकादमिक आदानप्रदान और सहयोग को बढ़ावा देकर वैश्विक शिक्षाक्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज करा रही है.

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड का परिचय

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड का नूतन संशोधित प्रतीक-चिह्न बोर्ड के दिव्य ध्येय और व्यापक कार्यों का प्रतीक है, जिसका ध्येय वाक्य "ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यम्" भारतीय ज्ञान-परंपरा के मूल तत्त्वों को अभिव्यक्त करता है। संस्कृत वह दिव्य भाषा है, जिसके आधार पर भारत की संस्कृति, नैतिकता और ज्ञान-विज्ञान की परंपरा विकसित हुई है। गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड द्वारा संस्कृत भाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन के उद्देश्य से "योजनापञ्चकम्" का शुभारंभ किया गया है। यह पाँच योजनाओं का समन्वित प्रयास है, जिसके माध्यम से संस्कृत भाषा को शिक्षा, परिवार और समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है।"श्रीमद्भगवद्गीता योजना" एवं "शतसुभाषित कण्ठपाठ योजना" के द्वारा घर-घर में श्लोक, सूक्ति और संस्कृत साहित्य का संस्कार विकसित किया जाएगा। "संस्कृत प्रोत्साहन योजना" माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर संस्कृत अध्ययन को सशक्त बनाएगी। "संस्कृत सप्ताहोत्सव योजना" के अंतर्गत सभी जिलों में संस्कृत दिवस को उत्सव के रूप में मनाकर जन-जन में भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जाएगी। वहीं "संस्कृत संवर्धन सहायता योजना" उच्च शिक्षा एवं शोध क्षेत्र में संस्कृत के विकास को गति प्रदान करेगी।

संस्कृत विभाग का परिचय

संस्कृत विभाग डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी का एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक केन्द्र है। यह विभाग विश्वविद्यालय का एक प्रमुख शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक केंद्र है। तथा ओपन यूनिवर्सिटी के संस्कृत विभाग में संस्कृत भाषा, साहित्य, दर्शन तथा शास्त्रीय विषयों को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अध्ययन एवं शोध के लिए समर्पित संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। यहाँ पुस्तकालय, शैक्षणिक सामग्री, ऑनलाइन पाठ्यक्रम तथा अध्ययन–सहायता सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं, जिससे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार संस्कृत के ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ समय-समय पर व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, श्लोक-पाठ, नाट्य-प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह विभाग विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं शास्त्रीय चिंतन का विकास करते हुए संस्कृत की निरंतरता और आधुनिक प्रासंगिकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाताता है।

समारोह के उद्देश्य

1.आचार्य भरतमुनि एवं 'नाट्यशास्त्र' के दार्शनिक, साहित्यिक, सौन्दर्यात्मक एवं तकनीकी पक्षों का गहन अध्ययन।
2.भारतीय नाट्य, संगीत, नृत्य एवं अभिनय परम्परा के शास्त्रीय आधार को रेखांकित करना।
3.रस, भाव, अभिनय एवं सौन्दर्यशास्त्र के सिद्धान्तों का मनोवैज्ञानिक एवं समकालीन विश्लेषण।
4.शास्त्रीय परम्परा और आधुनिक रंगमंच, सिनेमा एवं मीडिया के बीच संवाद स्थापित करना।
5.भारतीय शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं डिजिटल अभिलेखीकरण पर विमर्श।
6.राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सन्दर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता को उजागर करना।
7.युवा शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में नाट्यशास्त्रीय अध्ययन के प्रति रुचि का विकास।

अपेक्षित प्रतिफल

यह समारोह भारतीय नाट्य एवं सौन्दर्यशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धान्तों को समकालीन परिप्रेक्ष्य में समझने का अवसर प्रदान करेगा। विद्वानों और कलाकारों के बीच सार्थक संवाद से नाट्यशास्त्र के नवीन आयाम उद्घाटित होंगे तथा भारतीय कला-परम्परा के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार को नई दिशा प्राप्त होगी। यह समारोह भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृत भाषा और शास्त्रीय कलाओं के पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक एवं सांस्कृतिक प्रयास है।

शोधपत्र के उपविषय

1. आचार्य भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में वृत्तियाँ
2. 'नाट्यशास्त्र' में संगीत एवं वाद्ययन्त्र
3. नाट्यशास्त्र में निरूपित नाट्यमण्डप के प्रकार
4. नाट्यशास्त्र का संरचनात्मक एवं तकनीकी पक्ष
5. संगीत और नाट्यशास्त्र
6. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और ललित कलाएँ
7. भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों पर नाट्यशास्त्र का प्रभाव
8. नाट्यमण्डप की अवधारणा और आधुनिक थिएटर डिज़ाइन
9. भाव और रसः मानव भावनाओं का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
10. नाट्य तत्त्व : रस, भाव, अभिनय, कथावस्तु और पात्र
11. भरतमुनि का रस सिद्धान्त : उद्भव, विकास और महत्त्व
12. नवरस सिद्धान्त : सौन्दर्यशास्त्रीय विवेचन
13. आंगिक अभिनय एवं हस्त-मुद्राओं का शास्त्रीय विवेचन
14. सिनेमा और टेलीविजन अभिनय में नाट्यशास्त्र की उपयोगिता
15. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सन्दर्भ में भरतमुनि और भारतीय ज्ञान परम्परा
16. आधुनिक रंगमंच में भरतमुनि के सिद्धान्तों की प्रासंगिकता
17. नाट्यशास्त्र एवं आधुनिक रंगकर्मी
18. नाट्यशास्त्रीय परम्परा का संरक्षण, डिजिटल आर्काइविंग एवं भविष्य की दिशाएँ
19. नाट्यशास्त्र में गुण और अलंकार सिद्धान्त

शोध-पत्र आमंत्रण (Call for Papers)

शोधपत्र विशेषतः नाट्यशास्त्र, संगीत, नृत्य, नाट्यपरंपरा, रस-सिद्धांत, अभिनय, भारतीय सौंदर्यशास्त्र आदि विषयों पर स्वीकार किए जाएंगे। चयनित शोधपत्रों को संगोष्ठी में वाचन का अवसर प्रदान किया जाएगा तथा संमारोह स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।

सार (Abstract): 250 – 300 शब्द
पूर्ण शोध-पत्र: 2500 – 3000 शब्द
पूर्ण शोधपत्र 22/02/2026 तक निम्नलिखित ईमेल आईडी पर भेजें: bharatmunisamaroh.baou@gmail.com
भाषाएँ: अंग्रेज़ी / हिन्दी / गुजराती / संस्कृत

प्रेषण के दिशा-निर्देश (Submission Guidelines)

- **कागज़ का आकार:** A4
- **लाइन स्पेसिंग (Line Spacing):** 1.5
- **फ़ॉन्ट:** Times New Roman / एरियल यूनिकोड या मंगल / श्रुति
- **शीर्षक:** 14 pt, मुख्य पाठ: 12 pt
- **संदर्भ शैली:** MLA/APA
- केवल मौलिक एवं अप्रकाशित शोध-पत्र स्वीकार्य।

पंजीकरण विवरण (Registration Details)

सम्मेलन में सहभागिता ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से होगी।
कृपया निम्नलिखित चरणों का पालन करें -

- दिए गए लिंक पर क्लिक कर पंजीकरण फ़ॉर्म भरें।
- सभी विवरण भरने के बाद फ़ॉर्म को अंतिम रूप से सबमिट करें।
- संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को यात्रा व्यय (TA/DA) देय नहीं है।
- प्रतिभागियों के भोजन, आवास की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ (Important Dates)

- **सार (Abstract) एवं पंजीकरण की अंतिम तिथि - 18/02/2026**
- **पूर्ण शोध-पत्र की अंतिम तिथि - 22/02/2026**
- **स्थल पर पंजीकरण (Spot Registration) की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी**

पंजीकरण

- **शोधार्थी के लिए पंजीकरण शुल्क ₹100/-**
- **प्राध्यापको के लिए पंजीकरण शुल्क ₹300/-**
- **पंजीकरण (Registration) के लिए लिंक :**

https://forms.gle/RPoTc2dH4XLQMWy96

मुख्य बिंदु (Highlights)

- उत्कृष्ट शोधपत्र-लेखन एवं प्रस्तुति करने वाले तीन प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।
- जिन प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय द्वारा आवास व्यवस्था चाहिए, वे पंजीकरण फ़ॉर्म में स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख करें।

सहायता के लिए संपर्क (Contact For Any Query)-

फ़ोन: श्री विवेक साखी : 9588489365 | **श्री सौरभ त्रिपाठी** : 8542926568

ईमेल : sanskrit@baou.edu.in

मुख्य संरक्षक (Chief Patron)

प्रो. (डॉ.) अमी उपाध्याय

माननीय कुलपति

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी

श्री हिमाञ्जय पालीवाल

अध्यक्ष

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड, गांधीनगर

आयोजन समिति

प्रो. योगेन्द्र पारेख
निदेशक, SHSS

डॉ. महेशप्रसाद त्रिवेदी
निदेशक अकादमिक

डॉ. विनोदकुमार माजीराणा
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

डॉ. मुकेशकुमार इढारिया
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

डॉ. अर्चना मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी

डॉ. पायल चावड़ा
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

डॉ. रोशनी प्रजापति
असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत

श्री विवेक साखी
असिस्टेंट प्रोफेसर, IKS

श्री श्याम पटेल
असिस्टेंट प्रोफेसर, IKS

श्री जैमिन दवे
असिस्टेंट प्रोफेसर, IKS

श्री शुभम तिवारी
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दू अध्ययन

श्री सौरभकांत त्रिपाठी
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दू अध्ययन

श्री जय चुडासमा
असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दू अध्ययन

निमंत्रक

कुलसचिवश्री

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद